पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुआ पाँच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैम्प -2020 का आयोजन।

(27-31 जनवरी 2020)

27/01/2020 दिन: सोमवार (प्रथम दिवस)

किसी भी राष्ट्र के विकास और मानव जीवन का स्तर बेहतर करने के लिए विज्ञान का विकास महत्वपूर्ण है। आज देश में युवा मेधावी को विद्यालय के दिनों से विज्ञान के प्रति आकर्षित करने और उन्हें छात्रों, सहयोगी, रचनाशील और चुनौतीपूर्ण शैक्षिक वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता है, ताकि उनमें विज्ञान के प्रति विस्तृत समझ का विकास हो सके। इन्सपायर (Innovation in Science Pursuit for Inspired Research (INSPIRE)) भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया एक अभिनव कार्यक्रम है, इस कार्यक्रम के अंतर तहत विज्ञान में बेहतरीन प्रतिभावान छात्रों को आकर्षित करने का प्रयास किया जाता हैं, इसके साथ ही विज्ञान संबंधी रोजगार चुनने के लिए आवश्यक अवसरों के साथ उन्हें विज्ञान संबंधी रोजगारपरक शोध कार्यों के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के प्रांगण में पाँच दिवसीय (27-31 जनवरी 2020) इंस्पायर साइंस कैम्प का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के11 जनपदों के 48 विद्यालयों से कुल 628 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 201 विद्यार्थियों का आवासीय कैंप में चयन किया गया। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इतिहास में इस प्रकार के कार्यक्रम का प्रथम बार आयोजन हुआ जिसमें उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों जौनपुर, आजमगढ़, मऊ, अम्बेडकर नगर, गाजीपुर, सुल्तानपुर, संतकबीर नगर, महाराजगंज, प्रयागराज, रायबरेली, सोनभद्र के विद्यार्थीयों ने भाग लिया | इस कार्यक्रम के चेयरमैन प्रो. बी.बी. तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारें में बताया | कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, बायोटेक्नोलॉजी ने कार्यक्रम के बारे में सभी को अवगत कराया एवं भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इन्सपायर साइंस कैंप के लिए वित्तीय सहयोग दिए जाने का आभार व्यक्त किया | कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का स्वागत डॉ राजकुमार सोनी , विभागाध्यक्ष गणित विभाग, इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी संकाय ने किया | कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष सिंह,विश्वविद्यालय के कुलानुशासक ने किया | आभार कार्यक्रम के चेयरमैन प्रो. बी.बी. तिवारी ने किया |

उद्घाटन सत्र **के मुख्य अतिथि श्री जयंत सहस्राबुद्धे, विज्ञान भारती, नई दिल्ली** ने भारत की प्राचीन व आधुनिक वैज्ञानिक परम्परा पर प्रकाश डाला। अंग्रेजों के शासनकाल में कैसे भारतीय वैज्ञानिक विकास को बाधित किया गया इसके बावजूद विभिन्न वैज्ञानिकों जैसे जगदीश चंद्र बसु, प्रफुल्ल चंद्र, सी वी रमन, अब्दुल कलाम आदि के वैज्ञानिक उपलब्धि पर चर्चा की।

विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्णा मिश्रा, आई.आई.आई. टी. इलाहाबाद ने इंस्पायर कार्यक्रम की प्रासंगिता पर चर्चा की। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत विज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए इस प्रोग्राम के तहत स्कूली स्तर से लेकर उच्च शिक्षा में विभिन्न आयाम संचालित है।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

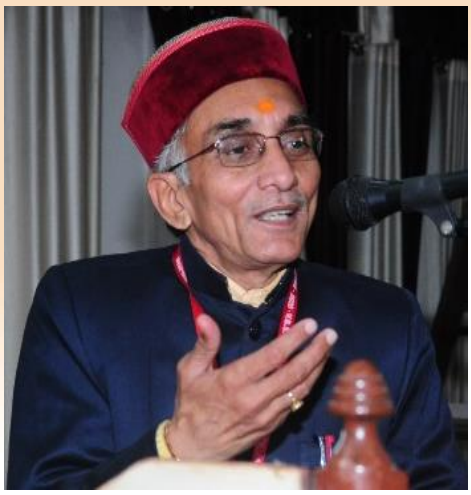

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के **कुलपति प्रो. डॉ राजा राम यादव** ने विद्यार्थियों को विज्ञान का प्रति रुचि को प्रेरित किया । उन्होंने कहा विश्वविद्यालय में पहली आयोजित हो रहे इंस्पायर साइंस कैम्प से पूर्वांचल क्षेत्र के बच्चों में विज्ञानं के प्रति रूचि बढ़ेगी । उन्होंने सारे प्रतिभागियों से इस अवसर का लाभ उठाने को कहा और इस बात पर जोर दिया की सभी विद्यार्थी इस कार्यक्रम में आये हुए देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों से पारस्परिक विचार-विमर्श करें और विज्ञान के बारें में मन में उठती हुई जिज्ञासाओं को शांत करें |

प्रथम सत्र में *"भविष्य के भारत के लिए विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का भी आयोजन हुआ । इस संगोष्ठी में विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया । संगोष्ठी में आये छात्र छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान तथा विज्ञान संकाय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा विज्ञान के क्षेत्र विभिन्न विषयों में हो रहे शोध से भी परिचित हुए ।*

इंस्पायर साइंस कैम्प के पहले दिन के द्वितीय सत्र में **विशिष्ट अतिथि प्रो. कृष्णा मिश्रा, आई.आई.आई. टी. इलाहाबाद** ने प्रतिभागियों को विज्ञान और समाज के बीच के संबंध को सरल भाषा मे समझाया। उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में नए आयामों जैसे नैनोटेक्नोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स व पर्सनल मेडिसिन पर विद्यार्थियों को जागरूक किया । **प्रो. मिश्रा ने** इन्स्पायर कैंप की उपयोगिता के महत्व के बारें में बताया और कहा इस कार्यक्रम से हमें ग्रामीण क्षेत्रों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के अंदर छुपी हुई प्रतिभा को निखारने में मदद करती हैं |

आई आई टी दिल्ली के प्रो नीरज खरे ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चेतना भरने के लिए को महान वैज्ञानिकों के उदाहरणों व प्रयागों का सचल चित्रण से व्याख्या की । प्रकृति के विभिन्न उदाहरणों से प्रेरणा लेते हुए उनके सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों की व्याख्या की । सुपरकंडक्टिविटी का प्रयोग करके सुपर स्पीड मैग्नेटिक ट्रेन को विकसित करने में भूमिका पर प्रकाश डाला ।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

प्रो. पी पी माथुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुदुच्चेरी ने डीएनए व उसके संचार विधि व प्रकिया से विद्यार्थियों को परिचित कराया। डीएनए के अंदर अपार डाटा संग्रह करने की क्षमता होती है। मानव शरीर में उसके खुद के जीन के अलावा विभिन्न सूक्ष्म जीवों के जीन भी पाये जाते है जो विभिन्न जैविक क्रियाओ को प्रभावित कर सकते है। प्रो माथुर ने क्लोनिंग की तकनीक पर भी चर्चा की तथा उसके प्रयोग से नए अंगो के विकसित करने की भूमिका पर प्रकाश डाला।

द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों ने उमानाथ सिंह अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, भौतिकी विभाग तथा फार्मेसी विभाग में भ्रमण किया एवं वहाँ के विषय विशेषज्ञों ने विभिन्न प्रकार के अनुसंधान में प्रयोग किये जाने वाले उपकरणों के बारे तथा कुछ प्रयोग स्वयं करके एवं कुछ विद्यार्थियों द्वारा किया गया |

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

28/01/2020 दिन: मंगलवार (द्वितीय दिवस)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के दूसरे दिन के प्रथम सत्र में गणित तथा भौतिकी के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया। **यह व्याख्यान परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल साइंसेज फॉर स्टडी एंड रिसर्च के आर्यभट्ट सभागार में हुई |**

प्रो. सत्यदेव, एच आर आई इलाहाबाद के विख्यात शिक्षाविद ने वैदिक काल मे गणित की उपलब्धियों पर चर्चा की। भारत का गणित के क्षेत्र में विश्व को अमूल्य योगदान दिया गया है। पेल्स समीकरण जिसे दुनिया पेल्स के कारण से जानती है वह भारत मे ब्रह्मगुप्त ने संस्कृत भाषा मे बहुत पहले दिया था। उन्होंने रामानुजम के गणित में योगदान के ऊपर भी चर्चा की। उन्होंने भास्कराचार्य ने गणित के कैलकुलस विधा में योगदान को बताया। प्रो सत्यदेव ने भास्कराचार्य द्वारा संस्कृत भाषा मे लिखी पुस्तक लीलावती के बारे में भी चर्चा की।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. मनमोहन सिंह मारवाहा ने विद्यार्थियों को बहुत रुचिकर और प्रयोगिक तरीके से भौतिक विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त को समझया। प्रो. मनमोहन ने विभिन्न प्रयोगों के माध्यम से तरंगो के गुण व प्रकार, गुरुत्वाकर्षण बल व अन्य बलों को प्रयोग के माध्यम से समझया। **प्रो. मनमोहन** प्रकाश के सिद्धांत, लेजर , ध्वनि के विभिन्न प्रकार के दैनिक जीवन में घटने वाली क्रियायों को प्रयोग करके समझाया से समझाया |

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, कोच्ची केरल के क्षेत्रीय निदेशक **डॉ आलोक कुमार गुप्ता ने** विज्ञान का दैनिक जीवन मे होने वाले प्रयोगों पर चर्चा की । डॉ गुप्ता ने विज्ञान के प्रयोग से आधुनिक जीवन मे होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तनों के बारे में चर्चा की । डॉ. गुप्ता ने बताया कि न्यूटन के तीन नियम जड़ता, त्वरण एवं क्रिया प्रतिक्रिया आज कारगर हैं |आधुनिक जीवन में होने वाले महत्वपूर्ण परिवर्तन इन पर आधारित हैं |

दूसरे सत्र में छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) इंस्टिट्यूट ऑफ़ फिजिकल साइंसेज फॉर स्टडी एंड रिसर्च, विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, फार्मेसी संस्थान व इंजीनियरिंग संकाय की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा विज्ञान के क्षेत्र विभिन्न विषयों में हो रहे शोध से भी परिचित हुए । प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगों को विशेषज्ञों की उपस्थिति में खुद से करके देखा ।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

29/01/2020 दिन: बुधवार (तृतीय दिवस)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के तीसरे दिन के प्रथम सत्र में भौतिकी, जीव विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

प्रो मनमोहन सिंह, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने विद्यार्थियों के बीच दैनिक जीवन मे होने वाले विभिन्न घटनाओं को प्रयोगों के माध्यम से बहुत सरल भाषा मे समझाया। प्रो सिंह ने इंद्रधनुष के सिद्धांत, जड़त्व, गुरुत्वाकर्षण, बरनौली सिद्धांत को प्रयोगों के माध्यमों से बहुत सरल भाषा मे विद्यार्थियों को समझया।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के प्रो. बी पी सिंह ने विद्यार्थियों को पृथ्वी विज्ञान और उससे सम्बंधित विभिन्न जटिल प्राकृतिक घटनाओं की सरल भाषा मे समझाया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन व उसके प्रभाव को बहुत विस्तार पूर्वक सरल भाषा मे विद्यार्थियों को समझाया। प्रतिभागियों को ब्रह्माण्ड के गूढ़ रहस्य को समझाया और कहा कि भूकम्प आने के दो कारण हैं ज्वालामुखी और पृथ्वी की प्लेटों का अपघर्षण होना। प्रो. सिंह ने इंडियन प्लेटों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह प्लेट पांच सेंटीमीटर की दर से उत्तरी तरफ बढ़ रही है, जो कि हिमालयी क्षेत्रों में आने वाले भूकंप का मुख्य कारण है। उन्होंने कहा की उद्योगों से कार्बन का उत्सर्जन पर्यावरण के लिये सबसे अधिक खतरनाक है। पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए समाज के हर वर्ग को संवेदनशील होना होगा।

केंद्रीय विद्यालय, लखनऊ के शिक्षक श्री सुशील कुमार ने विभिन्न जटिल जैविक प्रक्रियाओं को रोचक तरीके से प्रयोग के माध्यम से समझाया। प्रकृति में पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं एवं पौधों के होने का महत्व समझाया | उन्होंने ने प्रकृति घर के बारे में बताया और इस बात पर जोर दिया की पर्यावरण में हर जीव जंतु का महत्व हैं |

दूसरे सत्र में छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भइया संस्थान, विज्ञान संकाय के बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी , बायोकेमिस्ट्री, एवं पर्यावरण विज्ञान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया तथा विज्ञान के क्षेत्र विभिन्न विषयों में हो रहे शोध से भी परिचित हुए। प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रयोगों को विशेषज्ञों की उपस्थिति में खुद से करके देखा।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

30/01/2020 दिन: बृहस्पतिवार (चतुर्थ दिवस)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के चौथे दिन के प्रथम सत्र में रसायन विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर देवेश कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों को बहुत रोचक तरीके से बताया कि कैसे तकनीक का विकास कर प्रदूषण को कम किया जा सकता हैल उन्होंने विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं को भी बहुत सरल भाषा में समझाया। उनहोंने बताया कि हम अपने अतीत को ही देख सकते हैं उदाहरण देते हुआ बताया कि सूरज की रोशनी पृथ्वी पर आने में आठ मिनट का समय लगता हैं इसका मतलब हम आठ मिनट पहले के सूरज को देख रहे होते हैं | **प्रो. सिन्हा** ने कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण बढ़ गया हैं जिसके लिए प्रौद्योगिकी जिम्मेदार हैं लेकिन नई प्रौद्योगिकी ही प्रदूषण की समस्या को दूर भी कर सकती हैं |

आईआईटी रोपड़ के डॉ यशवीर सिंह ने औषधीयों और उसके शरीर में कार्य करने के विभिन्न तरीकों को विस्तार पूर्वक सरल भाषा मे समझाया। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में औषधि को समझने के लिए सेल कल्चर और ड्रग डिलीवरी सिस्टम तथा क्लीनिकल ट्रायल की सभी चरणों को समझना बहुत जरूरी है। उन्होंने एस्प्रिन और मार्फिन का उदाहरण देते हुए समझाया कि कैसे एस्प्रिन दर्द देने वाली कोशिकाओं को रोकता है जबकि मार्फिन दर्द का पता नहीं होने देता।

द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों ने विभिन्न समसामयिक सामाजिक समस्याओं पर खुद से **पोस्टर बनाकर प्रस्तुत किया**। विशेषज्ञों ने इन पोस्टरों का मूल्यांकन किया तथा विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर निबंध भी लिखा। पोस्टर व निबंध प्रतियोगिता परिणाम का कल समापन सत्र में घोषित किया जाएगा।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

31/01/2020 दिन: शुक्रवार (पंचम दिवस)

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में इंस्पायर साइंस कैम्प के पाँचवे दिन के प्रथम सत्र में जीवन विज्ञान , भूगर्भ विज्ञान तथा रसायन विज्ञान के बारे में विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

आई आई टी कानपुर के बायोलॉजिकल साइंस एवं बायोइंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एस. शंकररामाकृष्णन ने कोशिका के स्तर पर होने वाली विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं को सचल चित्र के माध्यम से सरल भाषा में समझाया। उन्होंने इक्कीसवी सदी के कई महान जीव वैज्ञानिकों के खोज व शोध को विद्यार्थियों के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि कैसे भौतिक विज्ञानी जगदीश चन्द्र बसु ने पौधों में जीवन की प्रक्रिया को समझया। उन्होंने जी. एन. रामचंद्रन के खोज के बारे में चर्चा की।

आई आई टी दिल्ली के प्रो. मैथिली शरण ने गणित का समाज में समस्याओं के समाधान में उपयोगिता पर चर्चा की। उन्हें बताया कैसे महानगरों जैसे दिल्ली आदि में संख्या का प्रयोग करके लोगों के आवागमन को सुगम बनाता है। उन्होंने सरकार के बजट में प्रयोग होने वाले गणित के बारे में चर्चा की। उन्होंने विमुद्रिकरण तथा जी एस टी में होने वाले गणित का प्रयोग सरल भाषा में समझाया।

रसायन विभाग, बीएचयू के विभागाध्यक्ष प्रो दया शंकर पांडेय ने धातु व उसके प्रदूषण पर चर्चा की। प्रो पांडेय ने आवर्त सारणी के विभिन्न तत्वों और उनकी उपयोगिता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि विभिन्न जैविक प्रक्रियायों में लगभग पचास से ज्यादा तत्व व पचहत्तर हजार से ज्यादा एंजाइम काम बहुत संतुलित तरीके से कार्य करते है। प्रो पांडेय ने मरकरी (पारा) के दुष्प्रभाव पर चर्चा की।

द्वितीय सत्र में विद्यार्थियों ने रज्जू भइया संस्थान के रसायन विज्ञान तथा भूगर्भ विज्ञान की प्रयोगशाला को देखा तथा पृथ्वी विज्ञान व रासायनिक प्रयोगों को समझा। प्रतिभागियों ने विश्वविद्यालय की केंद्रीय पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। तीसरे सत्र में प्रतिभागी विद्यार्थीयों द्वारा भारतीय परम्परा पर आधारित सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थीयों ने एकल गायन, कविता पाठ, नाट्य प्रस्तुति, शास्त्रीय नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति।

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812

पाँच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैम्प - 2020 का हुआ समापन

समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया | इसके साथ-साथ समापन सत्र में पोस्टर तथा निबंध के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। समापन सत्र में प्रो. देवराज , प्रो. रामनारायन , डॉ. प्रमोद कुमार यादव , कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनीष कुमार गुप्ता एवं आयोजन समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे |

पोस्टर प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी

वत्सला उपाध्याय, एम पी बिरला शिक्षा भवन व इंटर कॉलेज, छातंग झूषी , प्रयागराज को " क्लीन एनर्जी " शीर्षक पर प्रथम , निकिता नेहरु बालोद्यान इंटर कॉलेज, जौनपुर को "सॉलिड एंड लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट" द्वितीय एवं अंजलि यादव एवं नेहा यादव , इंदिरा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोमिनपुर करंजकला , जौनपुर को "नेचुरल रिसोर्सेज यूटिलाइजेशन फॉर सस्टेनेबिलिटी" शीर्षक पर तृतीय स्थान पर पुरस्कृत किया गया |

आलेख (Write Up) में विजयी प्रतिभागी

शुभम यादव, ब्रजेश इंटर कॉलेज गुलालपुर, जौनपुर को "सॉलिड एंड लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट" को प्रथम, इन्द्रजीत चौहान, संत कबीर इंटर कॉलेज छछाईपार ,मऊ, ने "ग्रीन रेवोलुशन" को द्वितीय तथा अरून कुमार, संत कबीर इंटर कॉलेज छछाईपार ,मऊ ने "मेक इन इंडिया" ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। गुरुवार को हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। इस प्रकार यह पांच दिवसीय इंस्पायर साइंस कैम्प - 2020 का हुआ समापन |

इस आवासीय कैंप में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थीयों का इस प्रकार का यह पहला अनुभव था | बहुत सारे विद्यार्थीयों को पहली बार विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रयोगशालाओं को भ्रमण करने का अवसर हुआ | इस कार्यक्रम के प्रभाव से विद्यार्थीयों ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में भविष्य में विज्ञान विषयों में अध्ययन करने की उत्सुकता दिखाई |

(डॉ. मनीष कुमार गुप्ता)
कार्यक्रम समन्वयक
इंस्पायर साइंस कैम्प - 2020
सह-आचार्य – जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक्नोलॉजी) विभाग
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, उ. प्र.

Contact : Program Co-ordinator, DST Inspire Science Camp, Department of Biotechnology, Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur – 222003, UP
E-mail: manish.kumar.gupta@gmail.com • Phone: +91-9307267812